

# THE BIHAR LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES.

*Tuesday, the 25th June 1946.*

**Proceedings of the Bihar Legislative Assembly assembled under the provisions of the Government of India Act, 1935.**

The Assembly met in the Assembly Chamber at Patna on Tuesday, the 25th June 1946 at 11-30 A.M., the Hon'ble the Speaker, Mr. Vindhyeshwari Prasada Varma, in the Chair.

## SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

### STRIKE IN PHULWARI-SHARIF CLOTH MILL.

**\*37. Mr. PRABHAT CHANDRA BOSE :** Will the Hon'ble Minister Incharge of Supply and Price Control Department be pleased to state—

- whether it is a fact that a strike is going on in the (Phulwari-Sharif Cloth Mill for over a month and a half;
- whether the Mill-owners have declared a lock-out in the aforesaid mill;
- whether the Hon'ble Minister is aware that in these days of cloth scarcity such strikes and the lock-outs prejudicially affect the cloth supply of the province;
- if the answers to clauses (a) to (c) be in the affirmative, will the Hon'ble Minister be pleased to state what steps have been taken by them to end the strike by having redressed legitimate grievances of the workers?

**The Hon'ble Mr. ANUGRAH NARAYAN SINHA:** (a) A labour strike has been going on in the Bihar Cotton Mills, Limited, Phulwari-sharif, Patna, since the 18th April, 1946.

(b) The answer is in the negative.

(c) The answer is in the affirmative.

(d) The Bihar Cotton Mills Workers' Union served a 14 days' notice of strike on the management of the Mill on 2nd April 1946 threatening that the workers would go on strike in case their demands were not fulfilled within 14 days. Re-instatement of certain dismissed workers, payment of 3 months' wages as bonus, increase in wage and dearness allowance, grant of sick and privilege leave, recognition of the Union are some of the important demands. The Assistant Commissioner of Labour visited the Mill on 9th April 1946 and twice on 17th April 1946 and discussed the demands with the parties concerned. At long last they agreed to refer the dispute to a Board of Arbitration consisting of one representative of labour and one of the management. But labour backed out of this

*\*In the absence of the questioner, the answer was given at the request of Mr. Siris Chandra Banerjee.*

**The Hon'ble Mr. RAMCHARITRA SINHA:** I have already informed the House that we cannot give any definite time. Had the hon'ble member been present in the House earlier he would have got the reply.

**Mr. JAGAT NARAIN LAL:** Are Government considering any alternative plan for providing other irrigational facilities to the areas concerned for the time being if the proposed scheme of supplying electric energy takes a long time to mature?

**The Hon'ble Mr. RAMCHARITRA SINHA:** I think I need not answer this question. The answer as given is in full detail and because the hon'ble member has not gone through it minutely he is finding it difficult to get the answer.

**Mr. JAGAT NARAIN LAL:** I have seen the papers, the answer is not there.

**The Hon'ble Mr. RAMCHARITRA SINHA:** The answer is there.

**Mr. HARIVANS SAHAY:** Have Government considered whether Hydro-electric in North Bihar is more economical and convenient than the proposed scheme for South Bihar?

**The Hon'ble Mr. RAMCHARITRA SINHA:** I think the hon'ble member should not forget my speech on the last occasion when a cut motion was moved when I had informed the hon'ble members that if the Kosi scheme is successful then we will have large amount of K. W. for North Bihar.

### ADJOURNMENT MOTION.

FAILURE OF GOVERNMENT TO MAKE ARRANGEMENT FOR TELEPHONE FOR USE OF M.L.A.S IN "R" BLOCK.

**The Hon'ble the Speaker:** Mr. Birendra Bahadur Sinha has given notice to move the adjournment of the business of the House to discuss a definite matter of urgent public importance, namely, the failure of Government to make usual arrangements for telephone in the Members' Quarters 'R' Block in spite of pressing demand made in this regard repeatedly from time to time.

**Rai Bahadur Shyamnandan Sahaya:** Even before the adjournment motion is moved, Sir, we can have an assurance from the Hon'ble Minister that he will get the telephone installed tomorrow.

**The Hon'ble the Speaker:** I have to make the following observation.

The Telephone and the Post Office is under the Government of India. The duty of the Provincial Government was only to press them for the installation of the telephone and they have done it and the Chair has been reminding the Telephone Department to instal it as early as possible. The Telephone Department have been putting forward their own difficulty in the matter and my Secretary informs me that they will do it as soon as possible. If ever this does not satisfy the hon'ble member he may put forward his own suggestions in the matter.

**Mr. Muhammad Abdul Ghani:** May I know the period which the Department will take in installing the telephone?

(No answer.)

**Mr. Birendra Bahadur Sinha:**

सभापति जी, मुझे अफसोस के साथ अर्ज करना पड़ता है कि जो चीज आज मेने इस ऐवान के सामने रखी है उसे आपके सामने लाने की मेरी कमी भी स्वाहिश नहीं थी। मैं नहीं चाहता था कि ऐसी मामूली सी बात को लेकर काम रोको प्रस्ताव (adjournment motion) पेश करूं। लेकिन मैं लाचार हूं। मेने कितनी ही कोशिशें कीं। एक मेम्बर की हैसियत से तथा इनफिफादी तौर पर भी मेने सेक्रेटरी से एक बार नहीं, दस बार से कम नहीं कहा होगा कि हम लोगों की बहुत तकलीफ उठानी पड़ती है, वहां एक टेलीफोन लग जाना चाहिए। मुझे माफ कीजिए अगर मैं कहूँ कि मेने प्राइम मिनिस्टर साहब से भी इसके बारे में कहा, उनसे भी सारी बातें हुई। लेकिन हमेशा यही जवाब मिला कि आज नहीं तो कल, दो दिन में, तीन दिन में सारा इन्तजाम हो जायेगा और टेलीफोन का installation हो जायेगा। लेकिन जब मेने देखा कि कहने से कुछ नहीं हो रहा है तो यह प्रस्ताव लाना पड़ा। हमलोग यहां निजी काम (private business) करने के लिये नहीं आये हैं बल्कि स्टेट के काम (state business) से आये हैं। इसलिए सरकार को हमारी तकलीफ का ब्याल करना चाहिए।

शायद आपको नहीं मालूम कि एक मेम्बर १६ तारीख से बीमार हैं। वे बुरी तरह बीमार हैं। उन्हें क्या २ शिकायतें हैं यह तो डाक्टर जाने, पर कहा जाता है कि मलेरिया से पीड़ित हैं। वे, जमुना बायू पुराने दमा के रोगी (asthmatic patient) हैं। उनको बुलार बना हुआ है लेकिन उनके माकूल इलाज का कोई इन्तजाम नहीं किया गया है। बात यह है कि हमलोग जहां रहते हैं वह ऐसी जगह है कि कहीं भी जाने के लिये हमेशा सवारी नहीं मिलती है। रिक्शा भी गहने-गहने ही आ जाता है। कोई भी सवारी, रिक्शा भी बुलाना हो तो आदमी स्टेशन भजिए। वे छत दिन से बीमार हैं। अगर टेलीफोन होता तो मामला बहुत कुछ हल हो जाता।

एक दूसरे मेम्बर देवकी बाबू हैं। वे रांची से आये हुए हैं। उनका छोटा सा पन्चा निमोनिया और मियादी बुखार (remittant fever) से पीड़ित है। लोग परेशान हैं। न टेलीफोन है, न किसी सवारी का इन्तजाम है। ऐसी हालत में मैं यह जानना चाहता हूँ कि आखिर इसकी जवाबदेही गवर्नमेन्ट या इस डिपार्टमेन्ट के सेक्रेटरी की है या नहीं। अगर है तो मैंने जाती तौर पर एक बार नहीं आधा दर्जन से ज्यादा सार सेक्रेटरी साहब से कहा है लेकिन उन्होंने हमेशा यही कहा कि दो दिन या तीन दिन में इन्तजाम हो जाता है। क्या मेम्बरों के ऊपर इसी तरह का ख्याल रखा जायेगा?

अभी यह कहा जाता है कि यह भारत सरकार (Government of India) की जिम्मेदारी है। मैं अब के साथ यह पूछना चाहता हूँ कि मिनिस्ट्रों के लिये टेलीफोन का इन्तजाम किया गया तो क्या उनके लिये भारत सरकार (Government of India) ने अपने नियम को relax किया है? या क्या उनके लिये खास सहूलियत दी है? मेरी समझ में यह बात नहीं आती कि जब हम भी स्टेट का काम करते हैं तो हमारे लिये क्यों नहीं टेलीफोन का इन्तजाम हो रहा है? मैं जानता हूँ कि मिनिस्ट्रों के लिये तीन टेलीफोन हैं, एक असेम्बली चैम्बर में, एक सेक्रेटेरियट में और एक उनके निवास स्थान (residence) पर। क्या भारत सरकार ने उनके लिये खास इन्तजाम किया है? अगर ऐसी बात है तो मेम्बरों के लिये क्यों नहीं इन्तजाम किया गया? उनके लिये भी तो एक टेलीफोन हुमा करता था। मैं इस बात को नापसन्द करता हूँ कि काम रोको प्रस्ताव (adjournment motion) लाऊ लेकिन इसको अपनाते के लिये, adopt करने के लिये मैं लाचार हुआ। हमलोग भी इन्सान हैं। क्या वजह है कि इस चीज का, जो निहायत जरूरी है, अभी तक इन्तजाम नहीं हुआ? मैंने कई बार कहा, अब किया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। टेलीफोन नहीं देना है तो कह दीजिए कि नहीं देंगे। मैं मेम्बरों से कहता हूँ कि आप जाकर देखो कि वहाँ पर जो मरीज हैं उनकी कीसी बुरी हालत है। सब लोगों के पास नीकर नहीं है। बाज लोगों के पास दो-चार नीकर हैं। लेकिन वे यहां के नहीं हैं और डाक्टर बुलाने का काम नहीं कर सकते।

यह हमारी मुसीबत का हाल है और यह हाल है गवर्नमेन्ट के इन्तजाम का। लाचार होकर मैं इस चीज को ऐवान के सामने रखा है। इसका जो मुनासिब फैसला आप समझें करें। आप जो मुनासिब समझते हैं करें क्योंकि हमारे भाइयों को सख्त तकलीफ है। आखिर हम भी काम करने आये हैं। हमको मिनिस्ट्रों से बात-चीत करनी होती है तो मजबूरी हो जाती है। पार्लियामेन्टरी सेक्रेटरी का नाम तो लिया गया है मगर न मालूम उनका पीट फोलियो कबतक तय किया जायेगा। यह तो हालत है, यह इन्तजाम है और यह नरम है। मैं जानता हूँ कि गवर्नमेन्ट इसका जवाब दे देगी कि गलती हुई, और अब ऐसा नहीं होगा। हमलोगों को तो इस तरह की बातें सुनने की आदत सी हो गई है। मौलवी तानी के ऐडजर्नमेन्ट मोशन पर इस

हाउस में बहस-हो चुकी है। उस वक्त भी इतमीनान दिलाया गया था कि अब किसी किस्म की गड़बड़ी न होने पायेगी और जागे चल कर सब ठीक हो जायगा। मेरी समझ में बात नहीं आती है कि क्या इन्तजाम ठीक हुआ। अभी भी वही बदइन्तजामी जारी है बावजूद इतमीनान दिलाने के। मुझे पूरी वाकफियत तो नहीं है मगर इतना जानता हूँ कि नन्दकिशोर लैन में एक मकान ले लिया गया है और वही कुछ मेम्बर रहते भी हैं। उसकी क्या हालत है, मैं नहीं कह सकता। वहाँ रहने वाले बतलायेंगे। मगर यहाँ की हालत तो मैं देखता हूँ। किसी के पास पलंग है तो छन्दा नहीं है, अगर रात को मसहरी लगाना चाहे तो मुश्किल हो जाता है। न मकान का इन्तजाम है न एकापेडेशन का इन्तजाम है। गवर्नमेन्ट मामूली तरीक़ से कह देती है कि इन्तजाम हो जायेगा मगर होता-जाता कुछ नहीं है। महज मसौल किया जाता है। हमारे जैसे लोगों को ऐसा मौका देना चाहिए कि इज्जत के साथ, कांशस के साथ अपनी जिम्मेदारी, अपने फरायज़ को अंजाम दे सकें। अगर यह कैफियत रहेगी तो हालत और खराब होती जायेगी। इसलिए मैं गवर्नमेन्ट से दस्तवस्ता अर्ज करूँगा कि अगर आप ऐडमिनिस्ट्रेशन को माफ़ूल तरीक़े से चलाना चाहते हैं, मुल्क की भावाज़ अपने साथ रखना चाहते हैं, तो मिहरबानी करके अपनी जवाबदेही को महसूस करें और मेम्बरों के काम करने के सुभीते बहम फरमायें।

**The Hon'ble the Speaker :** The subject matter of this adjournment motion is not within the administrative responsibility of the Provincial Government. The office of the Chair has been in correspondence with the Divisional Engineer of Telephone. The office has been writing letters after letters but there has been no response. They promised to do it but the things have not yet been done. I do not know how there can be any adjournment motion for this matter. In the circumstances I need not ask the Prime Minister to give a reply.

**Mr. Muhammad Abdul Ghani :** May I know from the Hon'ble the Leader of the House whether he will contact the Government of India by means of a letter or a telegram ?

**The Hon'ble Mr. Sri Krishna Sinha :** It will be done by means of a letter

**Mr. Tajamul Hussain :** Sir, may I make one suggestion to the Hon'ble the Prime Minister that one telephone should be installed at the 'R-Block' for the use of hon'ble members of this House when each Hon'ble Minister has got three telephones, viz., one in the Assembly Chamber, the other at the Secretariat and the third at his residence ?

(No reply was given.)